ब्लैक कैट डिवीजन का इतिहास

17 वीं भारतीय डिवीजन की स्थापना मेजर जनरल एच वी लैविस की कमान में अहमदनगर में 01 जुलाई 1941 को की गई तथा इसमें 44वीं, 45वीं और 46वीं भारतीय इन्फेन्ट्री ब्रिगेडों को शामिल किया गया। डिवीजन का पहला चिह्न काली पृष्ठभूमि के ऊपर बिजली की चमक था। दिसम्बर 1941 में डिवीजन मुख्यालय बर्मा चला गया और तत्पश्चात 46वीं ब्रिगेड भी बर्मा चली गई जबकि 44वीं और 45वीं ब्रिगेड को वापिस मलाया भेज दिया गया। फरवरी 1942 में सितांग ब्रिज की लड़ाई के पश्चात 46वीं ब्रिगेड का अस्तित्व समाप्त हो गया और प्रथम बर्मा अभियान की समाप्ति पर 25 मई को जब डिवीजन इम्फाल पहुंची तो उसमें 48वीं और 63वीं गोरखा ब्रिगेड सम्मिलित थीं और उसकी कमान मेजर जनरल डी टी कोवन कर रहे थे।

1942 के भयंकर मानसून ने डिवीजन के अस्तित्व को मिटा ही दिया था परन्तु 'पंच' कोवन के अदम्य जीवट ने इस मृतप्राय डिवीजन में नए प्राण फूंक दिए। डिवीजन का पुनर्जन्म हुआ और इसके पुनर्जन्म का प्रतीक एक नया डिवीजन चिह्न था। ऐसा कहा जाता है कि 'पंच' ने डिवीजन के नए चिह्न के सम्बद्ध में सुझाव मांगे तथा इस विषय में गहन विचार विमर्श किया गया। उस समय डिवीजन के पास जो भी नाममात्र का साहित्य था उसमें से पुराना चिह्नों वाला कैटलॉग भी देखा गया जो कलकत्ता के एक प्रसिद्ध स्टोर का था। इसी में साफ्ट खिलौने के एक चित्र जो एक काली बिल्ली का था, को डिवीजन चिह्न चुना गया।

1946 में 17 इन्फेन्ट्री डिवीजन को भंग कर दिया गया। नवम्बर 1960 में 17 इन्फेन्ट्री डिवीजन का अम्बाला में पुनर्गठन किया गया। इसने दिसम्बर 1961 में मेजर जनरल के पी कैन्डेथ की कमान में सम्बद्ध सैनिकों के साथ गोवा की मुक्ति के अभियान में हिस्सा लिया। पुर्तगाली गवर्नर मैनुएल एनोनिया वंसालो डी सिल्वा ने 19 दिसम्बर को आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए तथा पुर्तगाली सेना ने अपने हथियार डाल दिए।

तत्कालीन प्रधान मंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने मेजर जनरल कैन्डेथ को भेजे अपने बधाई संदेश में कहा, "आपने तथा आपके अधीन कार्यरत अफसरों और जवानों ने गोवा आपरेशन के दौरान जिस शानदार ढंग से सौंपे गए कार्य को दक्षता, नम्रता और मानवता के साथ अंजाम दिया उसके लिए आप सबको मेरी हार्दिक बधाई। जय हिन्द।"

ब्लैक कैट डिवीजन 15-16 जनवरी 2005 को डाक टिकट प्रदर्शनी आयोजित कर रही है। सेना डाक सेवा इस अवसर पर विशेष आवरण, विशेष काट चिह्न एवं यह विवरणिका जारी कर रही है।

HISTORY OF THE BLACK CAT DIVISION

The 17th Indian Division was raised on 01 Jul 1941 at Ahmednagar under Major General HV Lewis and comprised 44th, 45th and 46th Indian Infantry Brigades. The first Division sign was a flash of lightning on a black background. In Dec 1941, Divisional Headquarters moved to Burma and was followed by 46th Brigade, 44th and 45th Brigade having been diverted to Malaya. The 46th Brigade ceased to exist after Sittang Bridge Battle in Feb 42 and when the Division reached Imphal on 25 May, at

the end of the first Burma campaign, it comprised the 48th Gurkha Brigade and 63rd Gurkha Brigade and was commanded by Major General DT Cowan.

The bitter monsoon of 1942 very nearly completed the annihilation of Division but the indomitable spirit of 'Punch' Cowan breathed new life into the near corpse. The Division was re-born and the symbol of its re-birth was a new Division sign. It is said that 'Punch' called for suggestions for the new Division sign and there were many head-scratchings and much reference to the only light literature the Division then possessed, an old illustrated catalogue from a famous Calcutta store. It was from this that the sign was chosen-a picture of a soft toy, a Black Cat.

The 17 Inf Div was disbanded in 1946. In Nov 1960, 17 Inf Div was again raised at Ambala. It took part in Liberation of Goa in Dec 1961 with attached troops under Maj Gen KP Candeth. Portuguese Governor, Manuel Anonel Anonia Vassalo De Silva signed the surrender document on Dec 19th and the Portuguese garrision laid down their arms.

In the congratulatory message the then Prime Minister Pandit Jawahar Lal Nehru sent to Maj Gen Candeth had to say this "you and the officers and men serving under you in Goa Operation have my warm congratulations in the splendid way all of you carried out the task allotted to you with efficiency, courtesy and hurmanity, Jai Hind".

Black Cat Division is organizing Philatelic Exhibition on 15-16 Jan 2005. The Army Postal Service commemorates the occasion by issuing a special cover, special cancellation and this brochure.

Printed at V. K. Enterprises Ph. : 23238916

मुख्यालय 17 पर्वतीय खण्ड

HEADQUARTERS 17 MOUNTAIN DIVISION

मेल मिलाप
सेना डाक सेवा

ब्लैक कैट फिलेक्स - 2005

BLACK CAT PHILEX - 2005